NNA Book

Total number of printed pages–4

14 (HIN–3) 3016

2019

HINDI

Paper : HIN-3016

(Ādhunik Kāvya–I)

(आधुनिक काव्य—I)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित अवतरणों में से ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के?

Contd.

(ख) दया, माया, ममता लो आज,
मधुरिमा लो, अगाध विश्वास;
हमारा हृदय रत्न निधि स्वच्छ
तुम्हारे लिए खुला है पास।

(ग) मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!

(घ) विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात!
वेदना में जन्म करुणा में मिला आवास;
अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात!
जीवन विरह का जलजात!

2. 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर ऊर्मिला की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 12

अथवा

'साकेत' महाकाव्य के नवम सर्ग के महत्व का आकलन कीजिए।

3. "मनु अर्थात् मन के दोनों पक्ष, हृदय और मस्तिष्क का सम्बन्ध क्रमशः श्रद्धा और इड़ा से भी सरलता से लग जाता है।" — प्रस्तुत कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। 12

अथवा

'कामायनी' महाकाव्य के श्रद्धा सर्ग के भाषा-शैलीगत सौन्दर्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

4. काव्य-संवेदना की दृष्टि से 'राम की शक्ति-पूजा' की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×3=12

(क) "जा, मलयानिल, लौट जा, यहाँ अवधि का शाप,
लगे न लू होकर कहीं तू अपने को आप!"
— इन काव्य-पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) "मानस-मन्दिर में सती, पति की प्रतिमा थाप,
जलती-सी उस विरह में, बनी आरती आप!"
— प्रस्तुत काव्य-पंक्तियों में निहित कलापक्षीय सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) "अभिशाप प्रतिध्वनि हुई लीन"
— किसने, किसे और क्यों अभिशाप दिया था?

(घ) "कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!"
— कवि ने किस परिस्थिति में ऐसा कहा है?

(ङ) "क्या पूजन क्या अर्चन रे?"
— कवयित्री क्यों ऐसा कह रही है?

(च) 'मैं नीर भरी दुख की बदली' शीर्षक गीत के माध्यम से कवयित्री ने क्या कहना चाहा है?